**Raj Express (Indore), 07th November 2021, Page-11**

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, प्रोफेसर के. विजय राघवन रहेंगे मुख्य अतिथि

# आईआईटी का 9वां दीक्षांत समारोह 9 को

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर का 9वां दीक्षांत समारोह 9 नवंबर को मनाया जा रहा है।। इसमें भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, प्रोफेसर के. विजय राघवन बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होंगे। प्रधानमंत्री के सलाहकार अमित खरे विशिष्ट अतिथि होंगे और बीओजी के अध्यक्ष प्रोफेसर दीपक बी. फाटक समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इस दीक्षांत समारोह में कुल 499 स्टूडेंट्स डिग्री प्राप्त करेंगे जो अब तक आईआईटी इंदौर से यूजी करने वाले स्टूडेंट की सबसे बड़ी संख्या है। इसमें 15 पीएचडी कार्यक्रमों के 111 स्टूडेंट शामिल है (108 पीएचडी, 1 एमटेक और पीएचडी दोहरी कार्यक्रम, 2 एमएससी और पीएचडी दोहरी डिग्री कार्यक्रम, अब तक यूजी पीएचडी स्टूडेंट की सबसे बड़ी संख्या) 5 बीटेक कार्यक्रमों के 246 स्टूडेंट (यूजी करने वाले बीटेक स्टूडेंट्स की सबसे बड़ी संख्या अब तक) , एमटेक कार्यक्रमों के 41 स्टूडेंट, 3 एमएस (अनुसंधान) कार्यक्रमों के 16 स्टूडेंट्स और 5 एमएससी कार्यक्रमों के 83 स्टूडेंट शामिल है। इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमएस (रिसर्च) प्रोग्राम के पहले बैच के स्टूडेंट्स भी इस दीक्षांत समारोह में यूजी प्राप्त कर रहे हैं। स्वर्ण पद के 2 प्राप्तकर्ता हैं, विभिन्न श्रेणियों में संस्थान रजत पदके लिए 8 प्राप्तकर्ता और सर्वश्रेष्ठ बीटेक परियोजना पुरस्कार प्राप्तकर्ता है। पदक और पुरस्कार प्राप्त करने वाली 11 में से 4 छात्राएं हैं। यह दीक्षांत समारोह हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जा रहा है जिसमें लगभग 270 यूजी स्टूडेंट व्यक्तिगत रुप से और अन्य ऑनलाइन शामिल हो रहे हैं।

## केजी से पीजी से लेकर पीएचडी तक के सामने खड़ी की चुनौतियां

प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन, निदेशक (कार्यवाहक) ने कहा मार्च से नवंबर 2020 के दौरान कोविड-19 की पहली लरह और मार्च से जुलाई 2021 के दौरान कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण शैक्षणिक वर्ष 2020-21 कोई सामान्य वर्ष नहीं था। इसने एक तरह से सामान्य को, दुनियाभर में शिक्षा के क्षेत्र में फिर से परिभाषित करने के लिए मजबूर किया है, जिसने केजी से पीजी से लेकर पीएचडी तक के स्टूडेंट्स के लिए बुड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी है। आईआईटी इंदौर समुदाय ने शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासन और सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण के सभी क्षेत्रों में नवाचार किया है। संस्थान ने अतुल्यकालिक और साथ ही शिक्षण के तुल्यकालिक तरीकों का इस्तेमाल किया। 2021 शरद ऋतु और 2022 वसंत सेमेस्टर को समय पर सफलतापूर्वक पूरा किया और बिना किसी व्यवधान के शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखा।

### लॉकडाउन के दौरान भी जारी रहा शोध

प्रोफेसर जैन ने कहा बहुत आवश्यक कोविड-19 संबंधित परियोजनाओं पर शोध भी लॉकडाउन के दौरान बेरोकटोक जारी रहा। हमने सभी उचित सावधानियों के साथ, प्रयोगशालाओं को फिर से शुरु करने के लिए परिसर में शोधकर्ताओं की वापसी की पहल की। ऐसे कठिन समय में दौरान भी, हमारी बुनियादी ढांचा विकास टीम ने कड़ी मेहनत जारी रखी और संस्थान द्वारा अपने लिए निर्धारित उच्च मानकों पर कोई समझौता नहीं होने दिया। मई 2020 में पहला पेटेंट होने के बाद, फरवरी से सितंबर 2021 के दौरान 8 पेटेंट प्राप्त और 40 पेटेंट प्रकाशित किए गए। संस्थान ने प्रकाशन के साथ-साथ पेटेंट करवाने पर ध्यान केंद्रित किया है। मुख्य फोकस एमएसएमई, स्टार्टअप और ट्रांसफर टेक्नोलॉजी के साथ जुड़ना है। तकनीकी नवाचार के माध्यम से हमारे पड़ोस के विकास में योगदान करने के लिए, जमीनी स्तर के संगठनों के साथ संपर्क और सहयोग की दिशा में भी प्रयास चल रहे हैं।